सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 122 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 8 जून, 2023
मूल्य ₹ 3/-

एक साथ आना एक शुरूआत है। एक साथ रहना प्रगति है। एक साथ काम करना सफलता है।

-हेनरी फोर्ड

मोदी सरकार के खिलाफ पटना में... 7 | कांग्रेस ने कहा-सचिन-गहलोत एक... 3 | आप सरकार के कामों से डर गई... 2

यूपी में कानून व्यवस्था बेहाल विपक्ष ने उठाया योगी पर सवाल

» न्यायालय परिसर में ताबड़तोड़ गोलीबारी कांड
» योगी सरकार के दावे हवा-हवाई
» कोर्ट रूम में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग की जांच करेगी एसआईटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के एसी-एसटी न्यायालय परिसर में हुई ताबड़तोड़ गोलबारी कांड का मामला अभी शांत नही हुआ था कि इंदिरानगर में एक नाबालिग से दुष्कर्म के बाद हत्या से राजधानी में सनसनी फैल गई। इसके बाद प्रदेश की योगी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई। सपा ने सुरक्षा वाले विशेष स्थानों पर इस तरह की वारदातों पर सवाल उठा दिया है। वहीं बसपा व कांग्रेस ने कहा है राज्य सरकार अपराध को नियंत्रित नहीं कर पा रही है। विपक्ष ने कहा कि कानून व्यवस्था ध्वस्त है। ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार ने अपराधियों को खुली छूट दे रखी है। जो चाहे, जिसे चाहे, जहां मार दे। पुलिस हिरासत में हत्याएं हो रही हैं। कचहरी, थाने, कोर्ट में हत्याएं हो रही है। प्रदेश में लोग कहीं भी सुरक्षित नहीं है।

एससीएसटी कोर्ट रूम में बुधवार दोपहर वकील के भेष में आए हमलावर ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। मजिस्ट्रेट के सामने ही हमलावर ने कुख्यात अपराधी और माफिया मुख्तार का बेहद करीबी गैंगस्टर संजीव महेश्वरी उर्फ जीवा(50) को ढेर कर दिया। दो पुलिसकर्मियों, एक डेढ़ साल की बच्ची व उसकी मां को भी गोली लगी। वकीलों ने दौड़कर हमलावर को दबोच लिया और पीटकर पुलिस को सौंप दिया। घायलों को ट्रामा में भर्ती कराया गया है। वारदात से आक्रोशित वकीलों ने प्रदर्शन कर पथराव कर दिया। जिसमें एसीपी चौक का सिर फट गया। आलाधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तब हालात पर काबू पा पाए। मुख्यमंत्री योगी ने घटना की जांच के लिए एसआईटी गठित की है। मोहित अग्रवाल, नीलब्जा चौधरी और प्रवीण कुमार एक सप्ताह में जांच पूरी कर रिपोर्ट देंगे। वहीं पुलिस ने जिला अदालतों में सुरक्षा बढ़ाने की बात कही है।

इंदिरानगर में नाबालिग की हत्या से सहमी राजधानी

हर स्तर पर साजिश करते हैं भाजपाई : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग हर स्तर पर साजिश करते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह भी संभव है कि वे हत्यारोपी के संबंध में सपा से जोड़ दें, लेकिन उनकी हर कारगुजारी जनता समझती है। प्रदेश में बेटियां, महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। लखनऊ, नोएडा, कानपुर में हर दिन दुष्कर्म और अन्य अपराधिक घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश में कार्यवाहक डीजीपी क्यों बना रही है? एक बार नहीं बल्कि तीन बार से कार्यवाहक डीजीपी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कार्यवाहक डीजीपी इसलिए बना रही है, जिससे उनके लोगों और गुंडों को खुली छूट मिली रहे। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग 10 साल पहले के किस्से सुनाते हैं।

अपराध नियंत्रण सरकार के लिए बड़ी चुनौती : मायावती

लखनऊ कोर्ट परिसर में हुई संजीव जीवा की हत्या के मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा कि लखनऊ कोर्ट परिसर में सनसनीखेज गोलीकांड हुआ है। खुलेआम हुई हत्या यूपी में कानून व्यवस्था व अपराध नियंत्रण के मामले में सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसी घटनाओं से आम जनता में काफी दहशत है। सरकार सख्त कदम उठाए, बसपा की यही मांग है।

ट्रॉमा सेंटर में बच्ची से मिले मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे जहां उन्होंने फायरिंग के दौरान घायल हुई बच्ची से मुलाकात की।। डेढ़ साल की बच्ची एससी-एसटी कोर्ट रूम में हुए हत्याकांड के दौरान घायल हो गई थी। हमले में पुलिसकर्मी कमलेश व लाल मोहम्मद भी घायल हो गए थे। दोनों के पैर में गोली लगी थी। मुख्यमंत्री उनसे भी मुलाकात करेंगे।

अपराधियों पर नियंत्रण नहीं कर पा रही सरकार : खाबरी

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि अपराध पर जीरो टॉलरेंस का दावा करने वाली प्रदेश सरकार अपराध नियंत्रण में पूरी तरह विफल साबित हुई है। राजधानी के कोर्ट परिसर में कुख्यात अपराधी संजीव जीवा की पुलिस कस्टडी में गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली कांड में एक बच्ची और सिपाही भी घायल हुआ। इससे साफ हो गया है कि सरकार अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है।

जीवा की पत्नी सुप्रीम कोर्ट पहुंची

लखनऊ कोर्ट में मारे गए गैंगस्टर संजीव जीवा की पत्नी पायल माहेश्वरी ने पति की हत्या के बाद आज सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। पायल ने पति के अंतिम संस्कार की रस्मों में शामिल होने की अनुमति और गिरफ्तारी से संरक्षण के लिए अंतरिम राहत की मांग की है। जीवा की पत्नी पायल ने कहा कि पति की तरह मेरी

» अंतिम संस्कार में शामिल होने की मांगी अनुमति

भी हत्या कराई जा सकती है, इसलिए मुझे गिरफ्तार न किया जाए और सुरक्षा दी जाए। पायल ने गिरफ्तारी से राहत की भी मांग की। वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अगर जीवा की पत्नी अंतिम संस्कार में शामिल होती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। वहीं यूपी की योगी सरकार ने पायल को जीवा के अंतिम संस्कार में शामिल होने पर आपत्ति नहीं जताई, लेकिन सरकार ने कोर्ट से कहा कि इसे और कोई राहत न दी जाए। इसके बाद कोर्ट ने पायल को अपनी याचिका की कॉपी यूपी सरकार को देने को कहा है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई : जीवा को लगीं छह गोलियां

डॉक्टरों के पैनल ने देर रात जीवा का पोस्टमार्टम किया। रिपोर्ट के मुताबिक उसके शरीर में छह गोलियां लगीं। सभी गोलियां पीठ पर बाईं तरफ से मारी गईं। सभी आसपास ही लगीं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विजय खतरनाक शार्प शूटर है। आशंका यह भी है कि जब गोलियां मारी गईं तो जीवा ने अपना दायां हाथ पीठ की तरफ कर दिया था। इसलिए उस हाथ की अंगुलियों को गोली छूते हुए निकली। इसके अलावा जो गोलियां बच्ची, उसकी मां व दो पुलिसकर्मियों को लगी, आशंका है कि जीवा को आसपास होने के बाद लगीं।

न्यायालयों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करें : प्रशांत

पेशी पर आए कुख्यात संजीव जीवा की हत्या के बाद विशेष पुलिस महानिदेशक, कानून एव व्यवस्था प्रशांत कुमार ने सभी पुलिस आयुक्तों एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पत्र भेजा है। कहा है कि न्यायालयों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ करें। पेशी पर आने वाले अभियुक्तों की सुरक्षा के संबंध में अभिसूचना संकलन करें। जनपद न्यायधीशों, जिला मजिस्ट्रेट एवं बार के अधिकारियों के साथ समन्वय करें।

आप सरकार के कामों से डर गई भाजपा

» केजरीवाल का समर्थन, अखिलेश बोले- अध्यादेश लोकतंत्र के खिलाफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के बाद सपा प्रमुख सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार का अध्यादेश लोकतंत्र के खिलाफ है। भाजपा की सरकार केजरीवाल सरकार द्वारा शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए कार्यों को देखकर डर गई है। इसलिए यह अध्यादेश लाई है। हम केजरीवाल सरकार का समर्थन करते हैं और राज्यसभा में अध्यादेश के खिलाफ वोट करेंगे।

हमारे सभी सदस्य आम आदमी पार्टी के साथ हैं। वही सीएम केजरीवाल ने कहा कि अध्यादेश का विरोध 2024 का सेमी फाइनल है। विपक्ष इस अध्यादेश को वापस कराने में सफल रहा तो 2024 में भाजपा को सत्ता से हटाने में देर नहीं लगेगी। वह बुधवार को लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान व अन्य नेता दोपहर करीब तीन बजे के बाद सपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। यहां सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव सहित अन्य नेताओं के साथ मंत्रणा की। दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण संबंधी केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन मांगा। सपा अध्यक्ष ने केंद्र सरकार के अध्यादेश को लोकतंत्र विरोधी बताते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भरोसा दिया कि समाजवादी पार्टी उनके साथ है। करीब 40 मिनट की मंत्रणा के बाद प्रेस से बात करते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के सांसद इस अध्यादेश का विरोध करेंगे। इस अध्यादेश की सोच लोकतंत्र विरोधी है।

फिर केंद्र के खिलाफ कोर्ट जाएंगे: केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ उनकी सरकार फिर अदालत जाएगी। केंद्र की नीतियों की मुखालफत करते हुए सीएम ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने संघर्ष करके वोट डाला। वर्ष 2015 में सरकार बनी। भाजपा को नागवार लगा। उसने सरकार की शक्तियां छीन ली। वह नौकरशाही पर लगाम लगाने, अफसरों के स्थानांतरण और तैनाती के अधिकार नहीं देना चाहती है। लेकिन काम के दम पर दोबारा सरकार बनी। आठ साल की लड़ाई के बाद 11 मई को सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने फैसला दिया कि शक्तियां चुनी हुई सरकार के पास होनी चाहिए, लेकिन 19 मई को मोदी सरकार ने अध्यादेश लाकर कोर्ट का फैसला निरस्त कर दिया।11 मई को सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने फैसला दिया और आठ दिन बाद 19 मई को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ केंद्र सरकार अध्यादेश ले लाई। साजिश इस तरह रची गई कि दोबारा कोर्ट न जा पाएं। क्योंकि उसी समय कोर्ट बंद हो रहा था। केजरीवाल ने कहा कि हम छुट्टी खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं। फिर अदालत जाएंगे।

भाजपा मुख्यालय बन गए हैं राजभवन : मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि दिल्ली में हर प्रदेश के लोग रहते हैं। ऐसे में यह लड़ाई समूचे देश की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में सभी राज्यों के राजभवन उसके मुख्यालय बन गए हैं और गवर्नर समन्वयक की भूमिका निभा रहे हैं। भाजपा का प्रयास है कि जहां चुनाव से सरकार न बने, वहां जबरदस्ती बनाई जाए। लेकिन देश की जनता को इलेक्टेड और सलेक्टेड में अंदर करना होगा। उन्होंने कहा कि जहां भाजपा की सरकार नहीं है, वहां के लोगों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जीएसटी सहित तमाम विभागों से मिलने वाली केंद्र आधारित धनराशि नहीं मिल रही है। सपा अध्यक्ष का आभार जताते हुए कहा कि सपा में जेपी आंदोलन से जुड़े लोग हैं। ऐसे में उम्मीद है कि वे हमारी मदद करेंगे।

बजरंग दल अफीम बेचने वालों का समूह : दिग्विजय सिंह

» कहा-मेरे रहते सिंधिया कांग्रेस में कभी वापस नहीं आ सकते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। दिग्विजय सिंह ने कहा कि बजरंग दल अफीम और गांजा बेचने वालों का समूह है। बजरंग दल के लोग आज पाकिस्तान के लिए जासूसी करने में पकड़ा रहे हैं। इसके बावजूद भाजपा के नेता उनका संरक्षण कर रहे हैं और उन पर केस तक दर्ज नहीं होने देते। भोपाल आईटी सेल के ध्रुव सक्सेना और बजरंग दल का अध्यक्ष बलराम सिंह आईएसआई के लिए जासूसी करने में पकड़ाया, लेकिन उसके ऊपर सरकार के दबाव में राजद्रोह का मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

धर्म के नाम पर राजनीति करने वाली सरकार इन सभी अपराधियों को बचा रही है। हम जय श्री राम का नारा नहीं लगाते, जय सियाराम का नारा लगाते हैं। क्योंकि हमारे लिए माता सीता का भी भगवान राम के जितना आदर है। हालांकि हम जय सियाराम के नारे को लेकर चुनाव में नहीं उतरेंगे क्योंकि हम धर्म को राजनीति में हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं करते। दिग्विजय सिंह ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया और अन्य सभी नेता जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए वे मेरे रहते कभी कांग्रेस में वापस नहीं आ पाएंगे। मध्यप्रदेश में हर काम का कमीशन सीधे मुख्यमंत्री तक जाता है।

चुनाव हमारा हक, भीख नहीं मांग रहे

» उमर बोले- मुख्य चुनाव आयुक्त कहें कि नहीं करा सकते हैं चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव आयोग को लोगों को यह बताने की हिम्मत जुटानी चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव क्यों नहीं हो रहे हैं। श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में उमर ने कहा, मैंने बार-बार कहा है कि हम कोई भूखे-नंगे नहीं हैं कि हम घुटनों पर उतरकर भीख भीख मांगेंगे। इलेक्शन हमारा हक है।

उन्होंने कहा कि अगर जम्मू कश्मीर के लोगों का हक छीनना चाहते हैं और इससे तसल्ली मिलती है तो करें। हमारा भी आत्मसम्मान है। हम घुटने नहीं टेकेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपने पिछले दौरे के दौरान स्वीकार किया था कि जम्मू-कश्मीर में एक वैक्यूम (खालीपन) है। अगर मुख्य चुनाव आयुक्त को उस वक्त वैक्यूम नजर आया तो वो वैक्यूम क्यों नहीं भर रहा है। हिम्मत से कहें कि हमारे ऊपर दबाव है और हम चुनाव नहीं करा सकते। उमर ने कहा कि कहीं न कहीं दाल में कुछ काला है।

वहीं जी-20 करा कर हालातों के ऊपर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर की असलियत यहां रहने वाले जानते हैं। एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने में जहां हमें 5 मिनट लगते थे, वहां आज 40 मिनट लगते हैं। लोग रो रहे हैं, बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं, कर्मचारी दफ्तर नहीं पहुंच पाता। मरीज एम्बुलेंस में दम तोड़ देता है।

उधर कांग्रेस ने कहा कि अगर अन्य राज्यों में हर पांच साल बाद चुनाव में वोट देने का अधिकार है, तो यहां भी मिलना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष वानी ने कहा कि हम फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के साथ है। अब, हम आम मुद्दों पर एक साथ खड़े हैं। हालांकि, कांग्रेस का घोषणापत्र एनसी और पीडीपी से पूरी तरह अलग है, इसलिए सहयोग नहीं हो सकता है।

कुछ वर्षों में हालात हुए खराब

वहीं, सेना कमांडर (चिनार कोर के जीओसी) के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि कश्मीर में भीतरी इलाकों से सेना की वापसी का समय सही नहीं है, अब्दुल्ला ने कहा कि वह जनरल से सहमत हैं, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में स्थिति खराब हुई है। हम भी कह रहे हैं कि हालात ठीक नहीं हैं। जनरल भी यही कह रहे हैं।

झूठे नारियल फोड़ना भाजपा का काम : कमलनाथ

» बोले-कांग्रेस सर्व समाज और किसानों की पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी में तेजी आ गई है। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर हमला करते हुए कहा कि झूठे नारियल फोड़ना और झूठ की मशीन को डबल स्पीड पर चलाना हमारा काम नहीं है। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने ट्वीट किया कि शिवराज जी, पूरा प्रदेश जानता है कि आप और भारतीय जनता पार्टी की सोच किसान विरोधी है।

मंदसौर में किसानों पर गोली चलाने से लेकर आज तक आप किसान विरोध का कोई मौका नहीं छोड़ते। मैं आपसे स्पष्ट पूछना चाहता हूं कि अगर मंदसौर में किसानों की हत्या आपकी सरकार के इशारे पर नहीं की गई तो फिर आज तक मंदसौर किसान हत्याकांड की जांच रिपोर्ट आपने सार्वजनिक क्यों नहीं की? पीसीसी चीफ ने कहा कि आप मुझसे पूछते है कि मैं किसानों के बीच गया या नहीं गया? मध्य प्रदेश का किसान आपसे पूछता है कि आप ओलावृष्टि में क्यों नहीं आए? आपने समय पर खाद और बीज क्यों उपलब्ध नहीं कराया? कांग्रेस सरकार ने जो किसान कर्ज माफी की थी उसे आपने क्यों बंद कर दिया? कमलनाथ ने कहा कि एक बात याद रखिए कांग्रेस सर्व समाज और किसानों की पार्टी है। हम किसानों की सेवा के लिए राजनीति करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। भाजपा की तरह झूठे नारियल फोड़ना, गाल बजाना और झूठ की मशीन को डबल स्पीड पर चलाना हमारा काम नहीं है।

मौतों पर करते हैं राजनीति कमलनाथ : शिवराज

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और कमलनाथ पर बुधवार सुबह जमकर निशाना साधा। उन्होंने कमलनाथ पर मौतों पर राजनीति करने का आरोप लगाया। साथ ही सीएम फेस को लेकर तंज कसा कि शादी विवाह का पता नहीं है, लेकिन यह लोग शेरवानी सिलवा पहन कर घूम रहे हैं।

कांग्रेस की सरकार बनी तो फ्री में होंगे महाकाल के दर्शन : जयवर्धन

पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता जयवर्धन सिंह ने कहा है कि अभी बाबा महाकाल के दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं को सशुल्क दर्शन व्यवस्था के नाम पर राशि चुकाना पड़ती है। वर्तमान में एक लोटा जल चढ़ाने के नाम पर 750 रुपये, अतिशीघ्र दर्शन करने के नाम पर 250 और भस्मआरती में शामिल होने के लिए 200 का शुल्क चुकाना पड़ता है। उन्होंने कहा प्रदेश मे कांग्रेस की सरकार बनने पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन पर लगने वाले सभी शुल्क हटा दिए जाएंगे और भक्त महाकाल के निशुल्क दर्शन कर पाएंगे। आमसभा के दौरान जयवर्धन सिंह ने कहा कि महाकाल लोक निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार किया गया है। राज्य सरकार भ्रष्टाचार और लोगों पर अत्याचार कर रही है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही महाकाल लोक में हुए भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी।

राजस्थान चुनाव के रण में प्रण

कांग्रेस ने कहा-सचिन-गहलोत एक, सत्ता पर फिर होंगे काबिज

भाजपा ने कहा-इसबार भाजपा सरकार

आप भी तिरंगा यात्रा से बनाएगी पैठ

आवैसी की भी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जैसे-जैसे राजस्थान में चुनाव की आहट तेज हो रही वहां के माहौल में सियासत तेजी से फैल रही है। राजनैतिक पार्टियां जीत के लिए प्रण ले रही हैं। बीजेपी जहां मोदी को आगे कर, वसुंधरा के चेहरे पर सत्ता पर काबिज होने मंसूबे पाल रही है, वहीं कांग्रेस अपने दोनों दिग्गज नेताओं अशोक गहलोत व सचिन पायलट को एकजुट दिखाकर दुबारा राजस्थान पर कब्जा बरकार रखने की जुगत में लगी है। उधर दिल्ली की आप पार्टी भी इन दोनों पार्टियों की नींद उड़ाने की कोशिश में जुटी है। सियासी समीक्षको का कहना है कि परंपरा को देखते हुए तो ऐसा ही लगता है कि कांग्रेस को नुकसान होगा व भाजपा की वापसी होगी। पर कर्नाटक में कांगेस का मिली बंपर जीत से राजस्थान की इकाई खुश है और जीत को लेकर आश्वस्त है। अन्य दल भी इस बार अपनी मौजूदगी रखेंगे। ओवैसी की एमआईएम, केजरीवाल की आप भी भाजपा व कांग्रेस को नुकसान पहुंचा सकती है।

प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा के ताजा बयान ने राजस्थान के कई कांग्रेसी नेताओं की बोलती बंद कर दी है। जयपुर पहुंचने पर रंधावा ने कहा कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रहे विवाद को सुलझा लिया गया है। उन्होंने दावा किया कि 90 फीसदी मसले सुलझ गए हैं अब 10 परसेंट कोई मसला नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आलाकमान के साथ हुई बैठक में गहलोत और पायलट दोनों ने एकजुट होकर चुनाव लड़ने की बातों पर सहमति दे दी है। ऐसे में अब इनके बारे में चल रही अनबन की खबरों का कोई आधार नहीं है। रंधावा के इस बयान से गहलोत और पायलट दोनों गुटों के नेताओं की बोलती बंद कर दी है। दरअसल, अभी सियासी गलियारों में यही चर्चा है कि 11 जून को सचिन पायलट बड़ा धमाका करने वाले हैं। 11 जून को ही उनके नई पार्टी का ऐलान करने की अटकलें भी लगाई जा रही है। ऐसे में रंधावा के बयान ने फिर से कांग्रेस के भीतर सचिन पायलट को अलग नहीं होने देने के प्रयासों की चर्चा शुरू कर दी है। चर्चा ये भी है कि रंधावा अभी पार्टी संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच किसी तरह की गुटबाजी से बचने के लिए ही ये दांव खेल रहे हैं। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रही खींचतान कैसे हल हुई? पायलट की मांगों का क्या हुआ? और सुलह का फॉर्मूला क्या रहा? मीडिया के इन सवालों का रंधावा ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा कि सुलह का फॉर्मूला पार्टी आलाकमान के साथ गहलोत और पायलट को पता है। इसे मीडिया में सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। गहलोत और पायलट के कट्टर समर्थक सुलह का फॉर्मूला जानना चाहते हैं लेकिन यह फॉर्मूला किसी को नहीं बताया गया है। ऐसे में दोनों की गुट के नेताओं बैचेनी सी है।

सचिन की नई पार्टी की अटकलों पर लगा विराम

सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सचिन पायलट की ओर से नई पार्टी बनाए जाने की खबरों को मीडिया की देन बताया है। उन्होंने कहा कि पायलट कांग्रेस के साथ हैं। पहले भी उनके मन में नई पार्टी बनाने का विचार नहीं था और संभवतया अब भी नहीं है। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट कांग्रेस के एसेट थे, हैं और आगे भी रहेंगे। रंधावा ने कहा कि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव कांग्रेस पूरी एकजुटता से लड़ेगी। रंधावा के इन दावों ने गहलोत और पायलट खेमें में बैचेनी ला दी। यह रंधावा का कोई नया दांव तो नहीं है। खैर राजस्थान कांग्रेस का भविष्य क्या होगा, यह आगामी 4-5 दिन में साफ होने की संभावना है। दरअसल, राहुल गांधी 8 जून को विदेश दौरे से वापस लौट रहे हैं। 11 जून से पहले सचिन पायलट की राहुल गांधी से मुलाकात संभव है। इसी मुलाकात पर आगे की रणनीति तय होगी

पायलट ने टेरिटोरियल आर्मी की सिख यूनिट में किया काम

सियासी चर्चाओं के बीच सचिन पायलट ने दिल्ली में टेरिटोरियल आर्मी की यूनिट में साथी अफसरों से मुलाकात की। पायलट ने आज 124 सिख यूनिट में कुछ देर कामकाज भी किया। सचिन पायलट टेरिटोरियल आर्मी में कैप्टन हैं। पेपरलीक मामले में ईडी की छापेमारी खत्म, दिल्ली टीम करेगी जांच

200 सीटों पर चुनाव लड़ेगी आप

» 18 जून से केजरीवाल की फिर से तिरंगा महारैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस और बीजेपी को टक्कर देने के लिए आम आदमी पार्टी ने भी कमर कस ली है। पार्टी की ओर से प्रदेश के हर जिलों में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही है। इनका आगाज जयपुर में 13 मार्च को दिल्ली के मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने किया था। अब 18 जून को श्रीगंगानगर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। आप पार्टी के नेता लगातार सक्रिय है। जिला और तहसील स्तर पर बैठके आयोजित करके ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है। साथ ब्लॉक स्तर तक पदाधिकारियों की नियुक्तियां की जा रही हैं। अब तक पांच हजार से ज्यादा पदाधिकारियों को नियुक्ति प्रदान कर दी गई है। मंगलवार 6 जून को पार्टी के सह प्रभारी नरेश यादव मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि पार्टी पूरे दमखम के साथ राजस्थान की सभी 200 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

13 जनवरी को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में जयपुर में तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। अब एक बार फिर केजरीवाल और भगवंत मान राजस्थान दौर पर आ रहे हैं। 18 जून को पार्टी की ओर से श्रीगंगानगर में तिरंगा महारैली का आयोजन किया जाएगा। इस महारैली के दौरान अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान जनता से सीधा संवाद करेंगे। सह प्रभारी नरेश यादव ने दावा किया कि श्रीगंगानगर में होने वाली तिरंगा महारैली ऐतिहासिक होगी जिसमें लाखों की संख्या में लोग हिस्सा लेंगे। इसकी तैयारियों के तहत हर जिले में तिरंगा यात्राएं निकाल पर लोगों से आहवान किया जा रहा है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में 18 जून को श्रीगंगानगर की महारैली से पहुंचे।

कांग्रेस और बीजेपी का विकल्प है आप

आम आदमी पार्टी के सह प्रभारी नरेश यादव का कहना है कि राजस्थान की जनता अब कांग्रेस और बीजेपी से ऊब गई है। दोनों दल बारी बारी से सत्ता पर काबिज होते हैं लेकिन जनता को राहत प्रदान करने में विफल रहे है। जनता के पास कांग्रेस और बीजेपी के बाद तीसरे विकल्प के रूप में आम आदमी पाटी को चुनने का अवसर मौजूद है। दिल्ली की तर्ज पर प्रदेश में भी शिक्षा और स्वास्थ्य सहित तमाम तरह की सुविधाएं देना पार्टी का मुख्य ध्येय है। यादव ने कहा कि पार्टी का विस्तार लगातार हो रहा है। करीब 5 हजार पदाधिकारियों की नियुक्तियां की जा चुकी है। जिला, ब्लॉक, सर्किल और ग्राम पंचायत स्तर तक पदाधिकारियों की नियुक्ति देने का सिलसिला जारी है।

गहलोत ने विधायकों को खरीदने का आरोप लगाया, ईडी को दे सबूत : राठौड

प्रदेश में ईडी की कार्रवाई को लेकर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कई बार सार्वजनिक मंचों से यह आरोप लगाया है कि मानेसर गए विधायकों को बड़ी धनराशि दी गई थी। उन्होंने अपने विधायकों से भी कहा था कि जो धनराशि खर्च हो गई है। वो वे दे देंगे अथवा एआईसीसी से दिलवा देंगे। लेकिन शेष पैसा जहां से आया उन्हें लौटा दे। राठौड़ ने कहा कि अब मैं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कहना चाहूंगा कि राजस्थान में ईडी आई हुई है। उनके पास सोर्स है कि कालाधन कहां से आया। तो वो ईडी को काले धन का सोर्स बता दें। वे बिना मतलब ही ईडी की कार्रवाई की चिंता कर रहे है। उन्हें तो आगे बढ़कर ईडी को सबूत सौंपने चाहिए। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने आज प्रदेश भाजपा कार्यालय में जिला परिषद सदस्यों की बैठक ली। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ईडी की कार्रवाई को लेकर जिस तरह से कांग्रेस विरोध व प्रदर्शन करने की बात कह रही है। यह पूरी तरह से गलत है। देश के संविधान में केन्द्र व राज्य की किसी भी एजेंसी के काम में बाधा डालना पूरी तरह से संघवाद का कमजोर करने की तरह है।

सरकार का किसान विरोधी चेहरा आया सामने

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि सरकार का अब किसान विरोधी चेहरा सबके सामने आ गया है। सरकार डेब्ट एक्ट लाकर किसानों की नीलामी रोक नहीं पाएगी। अब 19 हज़ार किसानों की कुर्की की बात सामने आ रही है। वहीं प्रदेश में 6 लाख किसान ऐसे है, जिनका नेशनलाइज़ और शेड्यूल बैंक की फूटी कौड़ी भी माफ नहीं हुई। वहीं 1लाख 13 हज़ार किसान ऐसे है, जिनके खाते एनपीए हो चुके है। इनकी जमीनें भी अब नीलाम होगी। लेकिन सरकार ने इसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया। पेपरलीक को लेकर ईडी की कार्रवाई पर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि रीट के मामलें में डीपी जारौली ने उस समय कहा था कि मुझे बलि का बकरा बनाया जा रहा है। इसके तार तो कहीं ओर जुड़े हुए है। रीट परीक्षा के सुपरविज़न की जिम्मेदारी राजीव गांधी सर्किल से जुड़े लोगों को दी गई। जिसका उन्हें कोई अधिकार नहीं था। जिस बाबूलाल कटारा को सरकार ने नामजद किया। उसने स्वीकार किया है कि वो डेढ़ करोड़ रुपए देकर आरपीएससी सदस्य बना। ऐसे में अब इस मामलें में ईडी आ गई है तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। इसलिए कांग्रेस इस मामलें में बौखलाई हुई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मिलेगा अन्नदाता को लाभ

एक बार फिर हरियाणा में सूरजमुखी व अन्य फसलों की कीमत को लेकर किसान आंदोलनरत है। पर इस बीच केंद्र सरकार की ओर से किसानों को राहत देते हुए कई फसलों पर एमएसपी में इजाफा किया गया है। ये बढ़ोतरी वित्त वर्ष 2023-24 की खरीफ की फसलों के लिए की गई है। मोदी सरकार की ओर से कैबिनेट मीटिंग में लिए गए फैसले के मुताबिक तुअर दाल की एमएसपी में 400 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है, जबकि धान, मक्के और मूंगफली की एमएसपी में भी बढ़ोतरी की गई है।

किसान आंदोलन के आगे झुकने के बाद किसान संबंधी कानून वापस लेकर मोदी सरकार ने किसानों के प्रति अपनी संवेदशीलता दिखाई थी। एक बार फिर हरियाणा में सूरजमुखी व अन्य फसलों की कीमत को लेकर किसान आंदोलनरत है। पर इस बीच केंद्र सरकार की ओर से किसानों को राहत देते हुए कई फसलों पर एमएसपी में इजाफा किया गया है। ये बढ़ोतरी वित्त वर्ष 2023-24 की खरीफ की फसलों के लिए की गई है। मोदी सरकार की ओर से कैबिनेट मीटिंग में लिए गए फैसले के मुताबिक तुअर दाल की एमएसपी में 400 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है, जबकि धान, मक्के और मूंगफली की एमएसपी में भी बढ़ोतरी की गई है। इससे देश में बड़े स्तरों पर किसानों को लाभ होगा और नई फसल के लिए अच्छे दाम मिल पाएंगे। सरकार ने खेती की बढ़ती हुई लागत को देखते हुए किसानों की हित में ये फैसला लिया है। सरकार के इस फैसले से सूरजमुखी, धान और कपास, मूंगफली और सोयाबीन उगाने वाले किसानों को भी फायदा पहुंचेगा।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार मूंग दाल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सबसे अधिक 10.4प्रतिशत, मूंगफली पर 9प्रतिशत, सेसमम पर 10.3तिशत, धान पर 7 प्रतिशत, जवार, बाजरा, रागी, मेज, अरहर दाल, उड़द दाल, सोयाबीन, सूरजमुखी बीज पर वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए लगभग 6-7प्रतिशत, की वृद्धि की गई है। कैबिनेट ने धान का एमएसपी 143 रुपये बढ़ाकर वर्ष 2023-24 के लिए 2183 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। 2023-24 के लिए उड़द दाल की एमएसपी को 350 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर 6,950 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। मक्के की एमएसपी को 128 रुपये प्रति क्विंटल और धान की एमएसपी 143 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर 2,183 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दी है। मूंग की एमएसपी में सर्वाधिक 803 रुपये प्रति क्विंटलटल की बढ़ोतरी की गई है और इसके मूंग पर एमएसपी 8,558 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। कृषि में हम समय-समय पर सीएसीपी (कृषि लागत और मूल्य आयोग) की सिफारिशों के आधार पर सरकारें एमएसपी तय करते रही हैं। इस साल खरीफ की फसलों के लिए एमएसपी में की गई बढ़ोतरी पिछले कुछ सालों की तुलना में सबसे ज्यादा है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि एल नीनो का असर रहने के बावजूद जून से सितंबर के बीच सामान्य रहेगा। वहीं इस तरह फैसले से किसानों को राहत तो मिलती है पर सरकारों को चाहिए इसकी निगरानी हो जो मल्य निर्धारित किया है वह पूरी से किसान के हाथ में आए ऐसा न हो बिचौलिया लाभ उठा ले और किसान ठगा जाए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

किसानों को भी मिले कार्पोरेट जैसी उदार मदद

देविंदर शर्मा

विदेश यात्रा के दौरान क्रेडिट कार्ड के जरिये भुगतान पर 20 प्रतिशत कर लगाने पर माहौल गर्माने के बाद सोशल मीडिया पर रोचक बहस छिड़ गई। एक जाने-माने और बड़े कारोबारी ने एक पोस्टर साझा किया, जिसकी इबारत थी : 'मैं एक करदाता हूं, मेरा कर राष्ट्र के लिए है, न कि मुफ्त की रेवड़ियां लुटाने को।' इस ट्वीट ने खासी प्रतिक्रिया अर्जित की। सरकार ने अपने रुख में लचीलापन दिखाते हुए संशोधन किया कि 20 प्रतिशत कर तभी लगेगा जब विदेश में क्रेडिट कार्ड आधारित भुगतान की रकम 7 लाख से ज्यादा बने। इस पर भी ट्वीटर पर रोचक एवं अर्थपूर्ण प्रतिक्रियाएं आईं। एक ट्वीटर उपभोक्ता ने कहा 'जब सिपाही सीमा पर खड़े हैं, तो अमीर आदमी क्यों नहीं क्रेडिट कार्ड से किए भुगतान पर 20-प्रतिशत टैक्स भर सकता।' यह ऐसा जुमला है जो नोटबंदी समर्थकों द्वारा गढ़े गए 'तर्कों' से प्रेरित लगता है।

अमीर वर्ग ने सावधानीपूर्वक और निरंतर प्रचार से आभास गढ़ा है मानो देश का विकास केवल उनके यानी कॉर्पोरेट्स द्वारा चुकाए करों पर निर्भर है। यह बात सही है कि जो लोग परोक्ष कर भरते हैं उनकी चिंता इस बात पर जायज है कि उनके कराधान का पैसा कहां जा रहा है। लेकिन यह आभास देना कि सिर्फ अमीर ही कर भरता है, एकदम गलत है। जीएसटी के आने के बाद से, एक गरीब आदमी अगर हवाई चप्पल जैसी वस्तु खरीदता है तो भी टैक्स भरता है। आम नागिरक अन्य आवश्यक वस्तुओं पर भी कर चुकाता है, जिसमें थैलीबंद दूध एवं पनीर जैसे दुग्ध उत्पाद भी शामिल हैं। फैलाई गई कहानी कि केवल कॉर्पोरेट्स ही कर भरते हैं, इसको बदलना होगा। जैसा कि ऑक्सफैम की एक रिपोर्ट बताती है कि देश में निचले तबके वाली 50 प्रतिशत जनसंख्या कुल जीएसटी उगाही में दो-तिहाई है, जबकि चोटी का 10 प्रतिशत वर्ग केवल 3-4 फीसदी। यहां, चोटी के 10 फीसदी अमीरों में वे हैं, जिनकी कमाई 25000 रुपये महीना या इससे अधिक है! बात पुन: ट्वीटर पर चली बहस की करें तो अपने उत्तर में मैंने ट्वीट किया 'हां, मेरे कर का पैसा कॉर्पोरेट्स को मुफ्त की खैरात देने में इस्तेमाल के लिए नहीं है।'

इस ट्वीट पर काफी संख्या में लोगों ने देखा, अभी तक यह संख्या 301000 पार हो चुकी है। यह साफ दर्शाता है कि समाज के काफी बड़े तबके को अहसास है कि कैसे कॉर्पोरेट्स को मुफ्त की खैरात मिल रही है और वह भी तथाकथित तरक्की

की आड़ में। यहां मुख्य बात यह है कि हम वाकई नहीं चाहते कि हमारा धन कॉर्पोरेट्स को मुफ्त की रेवड़ियों की तरह बंटे। पहले यह जानने की कोशिश करें कि लोगबाग कॉर्पोरेट्स को मुफ्त की खैरात बांटने पर क्यों खफा हैं। भारत में, अन्य मुल्कों की भांति, कॉर्पोरेट्स को फायदा न केवल लंबे समय की कर-वसूली में माफी देकर बल्कि घटी दरों का कॉर्पोरेट्स टैक्स और आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज देकर भी पहुंचाया जाता है और उनकी मदद अन्य तरीकों से, जैसे कि सस्ती दर पर जमीन, सस्ती बिजली और सब्सिडी वाला बैंक ऋण इत्यादि देकर भी की जाती है। जहां उद्योग जगत सोचता है कि यह प्रोत्साहन तरक्की के लिए है, जबकि कुछ समय पहले हुए एक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में माना था कि जिसे उद्योगों को बढ़ावा देने वाला प्रोत्साहन कहा जाता है, वह भी एक सब्सिडी है। राष्ट्र के खजाने को खाली करने के अलावा मुफ्तखोर देश के प्राकृतिक स्रोतों का भी दोहन करते हैं। इसने वह आय असमानता भी पैदा कर डाली है, जो हर साल बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अध्ययन के मुताबिक, हर साल उद्योग जगत को 7.3 ट्रिलियन डॉलर मूल्य की प्राकृतिक संपदा के दोहन की छूट दी जाती है। इतने विशाल स्तर की सब्सिडी हटा दी जाए तो कॉर्पोरेट्स का मुनाफा धराशायी हो जाएगा। इसलिए अमीर और अमीर हो रहे हैं और गरीब और गरीब। अनुमान बताते हैं कि दुनियाभर में चोटी के अमीर, जो कि सकल जनसंख्या का 0.01 प्रतिशत हैं, उनके हाथ में इतनी धन-संपदा का नियंत्रण है जो निचले पायदान पर बैठी 90 फीसदी जनसंख्या के बराबर है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्यों केवल अमीरों को ही बैंकों से ऋण माफी के अलावा घटी दर पर कर भरने का लाभ मिलता है? उदाहरणार्थ, भारत में, कोविड महामारी से पहले, 2019 में कॉर्पोरेट जगत को हर साल 1.45 लाख करोड़ रुपये की कर-छूट दिये जाने की घोषणा की गई। इतनी विशाल कर-छूट ऐसे समय पर दी गई जब अधिकांश अर्थशास्त्री राष्ट्रीय धन को ग्रामीण क्षेत्र में वस्तु-मांग बढ़ाने के लिए उपयोग करने की सलाह दे रहे थे। कॉर्पोरेट्स को मिली यह सौगात 1.8 लाख करोड़ रुपये के उस आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज के अलावा है, जो वर्ष 2009 में वैश्विक महामंदी के बाद भारत सरकार ने उद्योग जगत को दिया था।

बड़ी सामाजिक समस्या की तरफ भी इशारा

पंकज चतुर्वेदी

जब एक 16 साल की लड़की को पाशविकता से मार दिया गया तो देश, समाज, धर्म, सरकार सभी को याद आई कि दिल्ली में रोहिणी के आगे कोई शाहबाद डेयरी नामक बस्ती भी है। महज जीने की लालसा लिए दूर-दराज के इलाकों से सैकड़ों किलोमीटर पलायन कर आये मजदूर-मेहनतकश बहुल झुग्गी इलाका है यह। न तो यहां रहने वाली आबादी को साफ पानी मिलता है, गंदे नाले, टूटी-फूटी सड़कों की भीषण समस्या तो है ही, एक इंसान होने के अस्तित्व की तलाश यहां किसी गुम अंधेरों में खो जाती है। चूंकि साक्षी की हत्या एक समीर खान ने की थी तो किसी के लिए धार्मिक साजिश है तो किसी के लिए पुलिस की असफलता तो किसी के लिए और कुछ।

एक समय तो ऐसा आया कि 'पीपली लाइव' की तरह कुछ लोगों ने मृतका के घर को भीतर से बंद कर लिया ताकि किसी अन्य दल का आदमी उनसे न मिल पाए। बाहर मीडिया, नेता, समाजसेवी लोग कोहराम मचाते रहे। दुर्भाग्य है कि नीति-निर्धारक एक बच्ची की हत्या को एक अपराध और एक फांसी से अधिक नहीं देख रहे कि मरने वाली 16 की और मारने वाला भी 20 का। दिल्ली की एक-तिहाई आबादी शाहबाद डेयरी जैसी नारकीय झुग्गियों में बसती है, मेरठ, आगरा में कुल आबादी का 45 फीसदी ऐसे असहनीय पर्यावास में बसता है। अब देश का कोई कस्बा-शहर-महानगर बचा नहीं है जो पलायन-मजदूरी और मजबूरी के त्रिकोण के साथ ऐसी बस्तियों में न बस रहा है। इस हत्याकांड के व्यापक पक्ष पर कोई प्रश्न नहीं उठा रहा— एक तो समस्या इस तरह की बस्तियों में पनप रहे अपराध व कुंठा की है। देश में किशोरों के लिए, खासकर निम्न आयवर्ग और कमजोर सामाजिक स्थिति के किशोरों के लिए किसी ठोस कार्यक्रम का अभाव है। उस इलाके के लोग जानते थे कि मृतका कोई एक महीने से अपने घर शाहबाद डेयरी ई-ब्लॉक जा ही नहीं रही थी। वह रोहिणी सेक्टर-26 स्थित अपनी दोस्त नीतू के साथ उसके घर रह रही थी। नीतू का आदमी किसी गंभीर अपराध में जेल में है, साक्षी ने दसवीं का इम्तिहान पास किया था। उसके मां-बाप जो कि मजदूरी करते हैं, कई बार पड़ोसियों को कह चुके थे कि उनके लिए लड़की है ही नहीं। और अब उनकी झोली पैसों से भरी जा रही है। काश! जो भी साक्षी को बेटी कह रहे हैं उन्होंने कभी साक्षी के मोहल्ले या ऐसी बस्तियों में जाकर 'अपनी बेटियों' की नारकीय स्थिति देखी होती। यहां न विद्यालय है न ही पार्क, न ही क्लीनिक और न ही साफ शौचालय। कोई एक लाख की आबादी वाली इस घनी आबादी में बच्चों के गुमशुदा होने के मामले सबसे अधिक होते हैं। चूंकि यहां मजदूरों और गरीबों के बच्चे रहते हैं इसलिए इनकी गुमशुदगी पर पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती। अपराध का भी यहां जबर्दस्त बोलबाला है। आये दिन लोगों से छीना-झपटी होती रहती है। हर झुग्गी इलाके की तरह यहां भी नशाखोरी की विकराल समस्या है। यदि कोई पहले इस तरह के इलाकों में किशोरों की मनोस्थिति के लिए सोचने-विचारने जाता तो पता लगता कि साक्षी जैसे बच्चे घर से भागने की क्यों सोचते हैं, इसके उत्तर मिलते। यह पुलिस जांच में सामने आया है कि छह मई को नीतू ने मैसेज किया, 'साक्षी यार कहां है तू, बात नहीं करेगी मुझसे' इसके बाद साक्षी जवाब देती है, 'यार, मम्मी-पापा ने बंद करके रखा है घर में। फोन भी नहीं देते। मैं क्या करूं, भाग जाऊंगी।' हत्या के बाद सामने आई इस चैट से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मसलन वहां साक्षी जैसी किशोरियां किन दिक्कतों से गुजर रही हैं, वहां किशोरों में यौनिकता को लेकर कैसे आकर्षण, भ्रांति और अल्पज्ञान है। किशोर लड़कियों को सहानुभूति, उनकी दिक्कत सुनने वाला चाहिए। बालपन से किशोरावस्था में आ रहे बच्चों में शारीरिक और यौन बदलाव होते हैं। मेहनत मजदूरी करने वाले परिवारों के पास यह सब समझने का न समय है और न ही बौद्धिक विवेक। आयु के इस दौर में उनकी बुद्धिमत्ता, भावनाओं, नैतिकता में भी परिवर्तन आते हैं। उनके सामने एक पहचान का संकट होता है या इसके चलते अपने पालक और मित्रों से टकराव होते हैं। साक्षी की साहिल से दोस्ती थी, किसी झबरू से भी थी और किसी प्रवीन से हो गई। हमलावर के लड़की पर बेदर्दी से कई बार चाकू घोंपने और फिर सिर को पत्थर से कुचल देने का मतलब यह हो सकता है कि उसमें हीन भावना थी।

सन् 2013 में एक दशक पहले विभिन्न गंभीर अपराधों में किशोरों की बढ़ती संलिप्तता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिए थे कि 'हर थानों में किशोरों के लिए विशेष अधिकारी हों। देश में शायद ही इसका कहीं पालन हुआ हो।' लेकिन सवाल तो यह है कि किशोर या युवा अपराधों की तरफ जाएं न, इसके लिए हमारी क्या कोई ठोस नीति है? रोजी-रोटी के लिए मजबूरी में शहरों में आए ये युवा फांसी पर चढ़ने के रास्ते क्यों बना लेते हैं? यानी तंगी, सुविधाहीनता व तमाम उपेक्षाओं की गिरफ्त में फंसी एक पूरी कुंठित पीढ़ी। वहीं गांव की माटी से उदासीन और वहां से बलात उखाड़ी गई और शहर की मृग-मरीचिका को छू लेने की ललक साधे भ्रमित किशोर शक्ति। भारतीय संस्कार, संस्कृति और सभ्यता की महक अभी कहीं शेष है तो वह है ग्रामीण किशोर में। वस्तुत: या कुशल जन-बल के निर्माण के लिए निम्न आय वर्ग बस्तियों में रहने वाले किशोर वास्तव में 'कच्चे माल' की तरह हैं, जिसका मूल्यांकन कभी ठीक से किया ही नहीं गया। जरूरत है ऐसी बस्तियों में नियमित काउंसलिंग, मनोवैज्ञानिक और स्वास्थ्य विमर्श की। किशोरों को स्वास्थ्य मन: स्थिति के लिए व्यस्त रखने वाली गतिविधियों की और इस ताकत को समाज और देश निर्माण के लिए परिवर्तित करने वाली गतिविधि, नीति और मार्गदर्शकों की।

बच्चों को गर्मियों की छुट्टियों में कराएं योगाभ्यास

गर्मियों की छुट्टियां शुरु हो गई है। तापमान अधिक होने के कारण बच्चे छुट्टी होने के बावजूद घर से कम निकलते हैं। ऐसे में उनकी शारीरिक सक्रियता कम हो जाती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है। वहीं बच्चे सुस्ती महसूस करते हैं, जिसके कारण न तो बच्चे पढ़ाई कर पाते हैं और न ही किसी काम में ध्यान लगा पाते हैं। गर्मियों के मौसम में सुस्ती को दूर करने और मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए बच्चों को योगासन करना सिखाएं। कुछ योगासन हैं, जो बच्चों की सेहत को बेहतर बनाते हैं और पढ़ाई में उनका ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। यहां बच्चों के लिए योगासन बताएं जा रहे हैं, जिसका अभ्यास बच्चे गर्मियों की छुट्टियों में कर सकते हैं। इन योगासनों से दिमाग शांत, बेहतर स्वास्थ्य और ध्यान केंद्रित रखने में सहायता मिलती है।

वृक्षासन

गर्मियों की छुट्टियों में बच्चे घर से बाहर नहीं निकल पाते हैं, तो दिनभर घर पर ही कंप्यूटर, मोबाइल या टीवी देखने में समय व्यतीत करते हैं। दिनभर एक ही स्थिति में लेटे-बैठे रहने के कारण उनके शरीर में दर्द होने लगता है। इसके अलावा स्ट्रेस भी बढ़ सकता है। ऐसे में बच्चों को वृक्षासन के अभ्यास की आदत डलवाएं। वृक्षासन के अभ्यास से मन को शांति मिलती हैं, स्ट्रेस कम होता है और कमर व गर्दन के दर्द से राहत मिलती है।

धनुरासन

बच्चे के शरीर में लचीलापन और मांसपेशियों में मजबूती के लिए उनसे धनुरासन का अभ्यास कराएं। इस आसन से बच्चे की कमर मजबूत होती है। पीठ व हाथ दर्द से राहत मिलती है। शारीरिक सक्रियता बढ़ती है और लचीलापन आता है।

ताड़ासन

बच्चों की एकाग्रता बढ़ाने के लिए उन्हें नियमित ताड़ासन का अभ्यास करना चाहिए। ताड़ासन के अभ्यास से बच्चों की ब्रिदिंग कैपेसिटी बढ़ती है। इस आसन को करने से ऊर्जा के स्तर को बढ़ावा मिलता है। मूड अच्छा रहता है और बच्चों की लंबाई भी बढ़ती है। इस आसन को करने के लिए सोफे या कुर्सी पर बैठकर दाईं जांघ को बाएं पैर के ऊपर क्रॉस करें। अब बाएं हाथ को दाएं हाथ पर लपेटें। दोनों कोहनी को उठाएं और कंधों को कानों से दूर रखते हुए इस स्थिति में चार-पांच बार श्वास लें।

टीवी देखते-देखते करें योगासन, रहेंगे स्वस्थ

अक्सर महिलाएं या बच्चे जो लगभग पूरा दिन घर पर रहते हैं, वह वक्त बिताने के लिए टीवी या फोन का इस्तेमाल करते हैं। गर्मी का मौसम है तो तापमान बढ़ने के कारण भी लोग घर से बाहर नहीं निकलते हैं। लगभग पूरा दिन टीवी देखने या मोबाइल का इस्तेमाल करने के कारण उन्हें कई तरह की शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं। जैसे स्क्रीन टाइम बढ़ने से आंखों पर असर हो सकता है। मस्तिष्क पर भी नकारात्मक असर होता है। साथ ही बैठे-बैठे शरीर में दर्द होने लगता है। मोटापा बढ़ना भी इसका एक कारण हो सकता है। बच्चे हो या बड़े सभी पर नकारात्मक असर हो सकता है। ऐसे में सबसे पहले तो आपको स्क्रीन टाइम कम करने की जरूरत है। वहीं शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं ताकि टीवी, लैपटॉप या मोबाइल के अधिक इस्तेमाल से आपकी मस्तिष्क, आंखों और शरीर पर होने वाले दुष्प्रभाव को कम किया जा सके और कई बीमारियों के शिकार होने बचा जा सके। इसके लिए विशेषज्ञ योग के अभ्यास की सलाह देते हैं। अगर आपके लिए मोबाइल, लैपटॉप या टीवी के सामने बैठना जरूरी ही है, तो बैठे बैठे कुछ योगासन करें ताकि सेहत पर होने वाले दुष्प्रभाव को कम किया जा सके।

अनुलोम विलोम प्राणायाम

सोफे पर बैठे बैठे अनुलोम विलोम प्राणायाम भी कर सकते हैं। इससे आंखों की रोशनी बेहतर होती है। स्क्रीन टाइम बढ़ने से आंखों पर होने वाले असर को कम करने के लिए दैनिक अभ्यास में अनुलोम विलोम को शामिल करें। यह प्राणायाम अन्य रोगों और शारीरिक समस्याओं से भी निजात दिलाता है।

वीरभद्रासन चेयर पोज

सोफा या कुर्सी पर बैठकर टीवी देख रहे हैं तो बैठे बैठे वीरभद्रासन योग का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग को चेयर पोज कहते हैं। इसे करने के लिए दाईं जांघ को कुर्सी पर टिकाकर बाएं पैर को खींचकर पीछे ले जाएं। अब बाएं पैर के तलवे को कुर्सी के बराबर रखकर जमीन पर टिकाएं और सीने को आगे की ओर झुकाएं। सांस खींचते हुए दोनों हाथों को ऊपर की ओर उठाएं हुए मिलाएं। कुछ सेकेंड इसी पोजीशन में रहने के बाद सामान्य मुद्रा में आ जाएं।

हंसना मना है

एक गरीब आदमी- ऐसी जिंदगी से तो मौत अच्छी। तभी अचानक यमदूत आया और बोला- मैं तुम्हारी जान लेने आया हूं? आदमी बोला- लो, अब गरीब आदमी मजाक भी नहीं कर सकता?

सास- क्या हुआ दामाद जी? पप्पू- आपकी बेटी ने मेरा खून चूस लिया है। सास-ऐसा क्या किया मेरी बेटी ने? पप्पू- इसमें हजारों कमियां हैं। सास- मुझे पता है, बेटा तभी तो इसे अच्छा लड़का नहीं मिल पाया।

गोलू और ढोलू के बीच खाना बनाने पर हुई बहस... गोलू- आज खाना क्यों नहीं बनाया? ढोलू- गिर गया था, लग गई, गोलू - कहां गिर गया था और क्या लग गई थी? ढोलू- बेड पर गिर गया था और आंख लग गई थी।

राजू जलेबी बेचते हुए चिल्ला रहा था.... आलू ले लो भाई आलू... बच्चा- लेकिन ये तो जलेबी है, राजू- चुप हो जा! वरना सुनकर मक्खियां आ जाएंगी।

चंटू और बंटू रात को सोते हुए...चंटू- बंटू जल्दी उठ, भूकंप आ रहा है, जल्दी उठ, सारा घर हिल रहा है... बंटू - ओए, चुपचाप जाके सो जा, घर गिरेगा तो हमारा क्या जाएगा। हम तो यहां किरायेदार हैं।

कहानी — आस पास का माहौल

एक बार एक कुत्ता गलती से एक कमरे में घुस गया। जहा चारो तरफ ऊपर नीचे शीशे ही लगे हुए थे। कुत्ता आश्चर्य से देखता रहा उसके चारो तरफ ऊपर नीचे हर जगह बस कुत्तो का झुंड ही दिखाई दे रहा था। कुत्ते ने डर के कारन हल्का सा दांत निकाल के भौंका। ताकि सारे कुत्ते वहां से भाग जाये। पर वहां दिख रहे उस कुत्ते की सारी परछाई ने भी एक साथ भौंका। वह कुत्ता और डर गया। डर से और जोर जोर से भोंकने लगा। साथ इस उस कुत्ते की परछाइयों ने भी उसी तरह भोंकना चालू कर दिया। और जोर की गूंज के साथ वो कुत्ता भोंकता रहा और अपने ही परछाइयों को काटने लगा। शीशे से टकरा के उसके दांतो में चोट लगती वह फिर भी और जोर से सामने वाले कुत्ते को काटने दौड़ता। गिरता उठता फिर वही प्रक्रिया दोहराता रहा। काफी समय के बाद वहां कुछ लोग आये तो उन्होंने देखा वो कुत्ता बेजान और चोटिल अवस्था में वहां पड़ा रहा।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें ये शिक्षा मिलती है की। यह दुनिया अच्छी या बुरी नहीं होती। बल्कि हम ही इसे अपने विचारो से अपने आस पास के माहौल से इसे अच्छा या बुरा बनाते है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आपके सामाजिक दायरे में बढ़ोतरी होगी। आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर बनेंगे।

वृषभ

आज आपको मिश्रित परिणाम मिलेंगे। चल रहे काम में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। कुछ भावनात्मक मुद्दे आपको परेशान कर सकते हैं।

मिथुन

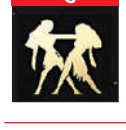

आज ऑफिस में आपके सामने कई चुनौतियां आ सकती हैं। आपको अपने किसी खास काम में मित्र की मदद मिलेगी, जिससे आपका काम सफल होगा।

कर्क

नौकरी में रहने वाले खुद को सफलता की सीढ़ी पर पाएंगे और प्रतिद्वंद्वी गतिविधियां आपको नुकसान नही पहुंचा पाएंगी। कोर्ट-कचहरी के मामले आपके पक्ष में हल होंगे।

सिंह

आज किसी काम में भागदौड़ थोड़ी अधिक हो सकती है। परिवार के किसी सदस्य से थोड़ी अनबन भी हो सकती है। आप अपने खर्चों को लेकर सोच-विचार में डूबे रहेंगे।

कन्या

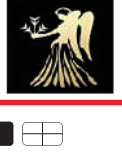

व्यावसायिक संदर्भ में आज आपको कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। समय पर ढंग से चीजों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा।

तुला

आज किसी काम को करते समय आपको अपना मन शांत रखना चाहिए। जल्दबाजी में किये गये काम से आप परेशान हो सकते है। मंदिर में कुछ समय बिताएं।

वृश्चिक

आपका रचनात्मक कौशल आज चरम पर होगा और इसका उपयोग अपने सभी कामों में करेंगें। रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोग अच्छा करेंगे और लाभ भी प्राप्त करेंगे।

धनु

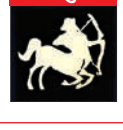

आज आपको कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी, जिससे परिवार में सबके चेहरे खिले रहेंगे। लोग आगे से चलकर आपसे बात करना चाहेंगे।

मकर

व्यावसायिक दृष्टि से आज का दिन अत्यधिक शुभ है और आप काफी प्रगति करेंगे। आय की वृद्धि के लिए स्थिति विकसित होगी। वित्तीय स्थिति में सुधार संभव है।

कुम्भ

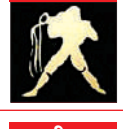

आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे। इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी।

मीन

आप अपने आत्मविश्वास को फिर से हासिल करेंगे और पूरे समर्पण के साथ काम में जुटेंगे जो सकारात्मक विकास को जन्म देगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी पिटाई देखकर मेरी मां मेरी फिल्में नहीं देखना चाहती हैं : राजपाल यादव

राजपाल यादव ने हाल ही में अपनी फिल्म हंगामा से जुड़ा हुआ एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि 2003 में रिलीज हुई उनकी फिल्म हंगामा जब उनकी मां ने घर में पहली बार देखी, तो उन्होंने उसे देखने से मना कर दिया, क्योंकि उस फिल्म में राजपाल यादव को थप्पड़ मारने वाले और पीटने वाले कई सीन थे। हंगामा फिल्म से जुड़ा किस्सा शेयर करते हुए राजपाल यादव ने बताया, वो कभी भी अपनी मां को मुंबई नहीं ला पाए, क्योंकि वो ट्रैवल नहीं कर पाती। जिसकी वजह से वह राजपाल यादव की फिल्में घर पर ही देखती हैं और जब उन्होनें हंगामा फिल्म देखी, तो सबसे पहले उन्होने राजपाल यादव से यही कहा कि कितना पीटते हैं लोग तुझे। इसके बाद राजपाल यादव की मां ने वो फिल्म देखने से मना कर दिया। इस पर राजपाल यादव ने अपनी मां को समझाया कि फिल्म में दिखाए जाने वाले मार-पीट के सीन असली नहीं होते और यही सीन्स मूवी को हिट बनाते हैं। पर इसके बाद भी उनकी मां नहीं मानीं। राजपाल यादव ने बताया कि एक मां के लिए अपने बेटे को पिटते हुए देखना मुश्किल होता है। बता दें कि हंगामा फिल्म में राजपाल यादव के अलावा अक्षय खन्ना, आफताब शिवदसानी, रिमी सेन और परेश रावल जैसे कलाकार थे। वहीं राजपाल ने इसमें राजा नाम का फनी कैरेक्टर प्ले किया था। राजपाल यादव ने अपने इंटरव्यू में यह भी बताया कि हंगामा फिल्म ने उनकी लाइफ बदल दी। इस फिल्म के बाद से ही उन्हे अच्छे पैसे, नाम, पहचान और सम्मान मिलने लगा। राजपाल यादव ने रामगोपाल वर्मा की फिल्म जंगल से खुद को एक्टर के तौर स्थापित किया। पर असली पहचान उन्हें प्रियदर्शन की फिल्म हंगामा से ही मिली।

सत्यप्रेम की कथा का ट्रेलर हुआ रिलीज

कार्तिक और कियारा को साथ देख एक्साइटेड हो गए फैंस

बॉलीवुड | मसाला

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी पहली बार साथ में भूल भुलैया 2 में नजर आए थे। अब ये जोड़ी फिल्म सत्यप्रेम की कथा से दर्शकों का दिल जीतने आ रही है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। वहीं रिलीज होते ही वह ट्रेलर सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। कार्तिक आर्यन और कियारा को साथ देख फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं।

फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत में सिंगल कार्तिक आर्यन कियारा आडवाणी से फ्लर्ट करते हैं, वहीं अगले सीन में वो एक ऐसे लड़के के रूप में दिखाई देते हैं, जो अपने घर का सारा काम झाड़ू, पोछा सब करता है, लेकिन शादी के लिए उसे लड़की नहीं मिल रही है। ट्रेलर में कॉमेडी सीन भी दिखाई देते हैं, जिससे पता चलता है कि फिल्म दर्शकों को काफी गुदगुदाने वाली है। वहीं चौथे हॉफ में एक्शन नजर आ रहा है। कुल मिलाकर फिल्म मनोरंजन से भरपूर होने वाली है।

कार्तिक आर्यन ने फिल्म के ट्रेलर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। एक्टर ने ट्रेलर शेयर करते हुए कहा- शायद मैं इस दुनिया में कुछ करने ही नहीं आया, सिवाय तुमसे प्यार। निर्माता फिल्म को लेकर कॉन्फिडेंट हैं। टीजर और गाने को मिले बेहतरीन रिस्पॉन्स ने मेकर्स को खुश कर दिया है। फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। फिल्म का निर्देशन समीर विद्वांस ने किया है। इस फिल्म में दूसरी बार कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी पर्दे पर एक-साथ दिखाई देने वाले हैं। फिल्म 29 जून, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

शादी के सवाल पर बोले प्रभास

तिरुपति में ही लूंगा सात फेरे

निर्देशक ओम राउत की आने वाली फिल्म आदिपुरुष रिलीज के लिए पूरी तरीके से तैयार है। कुछ समय पहले इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया था। ट्रेलर देखने के बाद लोगों का एक्साइटमेंट काफी ज्यादा बढ़ चुका है और अब उनसे फिल्म के लिए इंतजार नहीं हो रहा है। बीते दिन (मंगलवार) शाम को 5 बजे तिरुपति बालाजी मंदिर में एक प्री-रिलीज इवेंट हुआ। इस दौरान फिल्म का ट्रेलर दिखाया गया। इतना ही नहीं इस भव्य कार्यक्रम को सोशल मीडिया पर भी दिखाया गया, जिसके बाद हर तरफ सिर्फ आदिपुरुष की चर्चा हो रही है। इस दौरान प्रभास से फैंस ने उनकी शादी को लेकर सवाल किया, जिसका अभिनेता ने काफी दिलचस्प जवाब दिया है। आदिपुरुष में राघव का किरदार निभा रहे प्रभास के एक जवाब ने फैंस के दिलों की धड़कनें तेज कर दी हैं। हाल ही में आदिपुरुष का फाइनल ट्रेलर लॉन्च हुआ, जहां प्रभास से उनके फैंस ने ढ़ेरों सवाल पूछे। प्रभास मोस्ट हैंडसम बैचलर की लिस्ट में टॉप पर हैं, ऐसे में फैंस उनकी शादी को लेकर काफी एक्साइटेड रहते हैं। अब एक फैन ने प्रभास से वह सवाल पूछ ही लिया जिस पर एक्टर हमेशा चुप्पी साधे रहते हैं, तो प्रभास ने बता दिया कि वह कहां अपनी शादी करेंगे। कुछ समय पहले प्रभास का नाम अनुष्का शेट्टी के साथ जोड़ा जा रहा था। इसके बाद उनका नाम आदिपुरुष की को-स्टार कृति सेनन के साथ जोड़ा जा रहा था। ऐसे में फैंस कहां चुप बैठने वाले थे, उन्होंने प्रभास से शादी को लेकर सवाल कर लिया। तो प्रभास ने शादी की तारीख भले न बताई हो लेकिन वेन्यू का जिक्र जरूर कर दिया है। प्रभास ने कहा कि वह तिरुपति में ही अपनी शादी करेंगे। प्रभास का यह जवाब सुनते ही फैंस के चेहरे पर स्माइल आ गई। फैंस अब एक्टर की शादी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। ऐसे में यह भी उम्मीद जताई जा रही है कि बाहुबली स्टार जल्द शादी कर सकते हैं। हालांकि ट्रेलर लॉन्च के दौरान प्रभास काफी मस्ती के मूड में दिखाई दिए।

अजब-गजब | जितना काम की चीज है परफ्यूम, उतना ही खतरनाक है

ज्वलनशील होने के नाते हवाईजहाज में नहीं ले जाने दिया जाता है परफ्यूम

परफ्यूम या डिओडोरेंट लगाना तो हर किसी को पसंद आता है। शरीर की बदबू से छुटकारा मिलता है और कई बार इंसान जब बेहतर स्मेल करता है तो उसका कॉन्फिडेंस भी बहुत से लोगों के सामने बढ़ता है। डायरेक्ट स्किन पर लगाने से लोगों को कुछ साइड इफेक्ट्स नजर आ सकते हैं पर कपड़े पर लगाया जाए तो परफ्यूम काफी काम की चीज साबित होता है। जब इसके इतने फायदे हैं तो फिर इसे प्लेन पर ले जाने से एयरलाइन कंपनियां क्यों रोकती हैं? आखिर परफ्यूम में ऐसा क्या है जिसकी वजह से इसे हवाईजहाज पर नहीं ले जाने दिया जाता!

आज हम आपको इसका राज बताने जा रहे हैं। दुनियाभर की एयरलाइन कंपनियां अपने नियम बनाती हैं, देश के कानूनों का पालन करती हैं और इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के नियमों को फॉलो करती हैं। इसके अनुसार वो परफ्यूम या डिओडोरेंट को कैबिन के अंदर लाने की अनुमति देती हैं या फिर उसे लाने से मना कर देती हैं। इसकी वजह ये है कि परफ्यूम अत्यंत ज्वलनशील वस्तु होती है। उसमें आग पकड़ने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। आपने सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट वाले वीडियोज में देखा होगा कि परफ्यूम को जलती आग पर स्प्रे करने से वो धधकती ज्वाला बन जाता है। बस यही कारण है कि उसे प्लेन में नहीं ले जाने दिया जाता। अगर किसी कारण से प्लेन में आग लग गई, तो परफ्यूम होने से वो बड़ा रूप ले सकती है। हालांकि, लगेज बैगेज में परफ्यूम ले जाने की अनुमति होती है।

इंडिगो जैसी एयरलाइन की वेबसाइट पर ये साफ लिखा है कि परफ्यूम ना ही चेक-इन बैगेज में ले जा सकते हैं और ना ही लगेज बैगेज में। जबकि विस्तारा पर लिखा है कि उसे दोनों में ले जाया जा सकता है पर उसकी मात्रा काफी कम होगी। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अनुसार ज्वलनशील वस्तुएं 2 किलो या लीटर से ज्यादा नहीं ले जा सकते वहीं प्रत्येक वस्तु का वजन 0.5 लीटर या 0.5 किलोग्राम तक होना चाहिए। एयर इंडिया ने भी अपने नियमों में ये साफ लिखा है कि ज्वलनशील पदार्थों को बेहद कम मात्रा में ले जाया जा सकता है। अमेरिका के ट्रांसपोर्टेशन सिक्योरिटी और एडमिनिस्ट्रेशन ने परफ्यूम जैसे ज्वलनशील पदार्थों के लिए 3-1-1 का नियम बनाया है। इसके तहत परफ्यूम का लिक्विड या वजन 3.4 आउंस यानी 100 मिलिलीटर तक होना चाहिए। उन्हें 1 ही बैग में फिट होना चाहिए जो ट्रांसपेरेंट हो, इसे क्वार्ट बैग कहते हैं। ऐसा सिर्फ 1 बैग आप अपने साथ कैबिन में ले जा सकते हैं। इसकी जांच आपको सिक्योरिटी जांच के दौरान करवानी पड़ेगी। अगर आइटम तय सीमा से बड़े होते हैं तो उन्हें लगेज चेकइन में डालना पड़ता है।

क्रिकेट के मैदान पर क्यों होती हैं कई पिच, जबकि एक ही पिच पर होता है खेल

हाल ही में आईपीएल खत्म हुआ है और लोगों को अंदर अभी भी इसे लेकर खुमारी है। भारत जैसे देशों में क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं है, वो जुनून है। इसलिए आपको अधिकतर लोग क्रिकेट से जुड़ी बातें करते या उससे संबंधित जानकारियां देते हुए नजर आ जाएंगे। इसी सिलसिले में आज हम आपको क्रिकेट से जुड़े बेहद रोचक जानकारी देने जा रहे हैं जिसके बारे में शायद ही आपको पता होगा। आपने गौर किया होगा कि क्रिकेट के मैदान पर एक पिच होती है, जिसपर पूरा खेल खेला जाता है। मगर क्या आपने कभी गौर किया है कि यहां एक से ज्यादा पिच मौजूद होती हैं। आज हम आपको इसी का कारण बताने जा रहे हैं। ये है अतिरिक्त पिच होने का अहम कारण अक्सर आपने क्रिकेट के मैदान को देखकर ये सोचा होगा कि जब खेल एक ही पिच पर होता है तो कई पिच बनाने का क्या काम। क्या मैच के दौरान खिलाड़ी पिच बदल-बदलकर खेलते हैं? चलिए आपको इसका सही जवाब बताते हैं। क्रिकेट का मैदान गोल होता है और उसके बीचोंबीच पिच बनी होती है। सबसे सेंटर में बनी पिच इंटरनेशनल खेलों के लिए होती है। आईपीएल या वर्ल्डकप जैसे टूर्नामेंट में अक्सर एक ही मैदान पर कई मैच खेले जाते हैं। इस वजह से एक पिच खराब हो जाती है। मैच बाधित ना हो, ऐसे में बगल वाली पिच का इस्तेमाल किया जाता है। इन पिच के होने का दूसरा कारण भी है। कई बार ऐसा भी होता है कि मैच से पहले खिलाड़ी मैदान पर प्रैक्टिस करते हैं। ऐसे में वो मुख्य पिच पर प्रैक्टिस नहीं कर सकते क्योंकि उसके खराब होने का डर होता है। इसलिए वो बगल वाली पिच का प्रयोग करते हैं। इन पिचेज़ को प्रैक्टिस पिच भी कहा जाता है। मैच के अतिरिक्त भी जब लोकल खिलाड़ी या अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को मैदान पर प्रैक्टिस करनी होती है, तब वो उसी पिच पर आकर प्रैक्टिस करते हैं। जो प्रैक्टिस पिच होती हैं, उस पर रणजी ट्रॉफी जैसे स्टेट लेवल के भी मैच होते हैं और इन मैच के लिए भी साइड की पिच इस्तेमाल की जाती है। कई बार ये साइड की पिच मैदान के केंद्र में नहीं होती, इसलिए उन्हें इंटरनेशनल खेलों के लिए नहीं इस्तेमाल किया जाता है। केंद्र की पिच को तैयार करने में वक्त लगता है, ऐसे में उसे छोड़कर अगल-बगल की पिच पर ही डोमेस्टिक या प्रैक्टिस मैच होते हैं।

झांसी के प्रसिद्ध अस्पताल का कारनामा: नवजात को लगा दिया एक्सपायरी टीका

» मैक्स केयर स्पर्श सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल ने 15 हफ्ते के शिशु के साथ की घोर लापरवाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। झांसी में एक प्रसिद्ध अस्पताल की लापरवाही का मामला सामने आया है। झांसी के अस्पताल मैक्स केयर स्पर्श सुपर स्पेस्यलिटी हॉस्पिटल ने 15 हफ्ते के शिशु को एक्पायरी डेट का टीका लगा दिया। इस बात की जब जानकारी

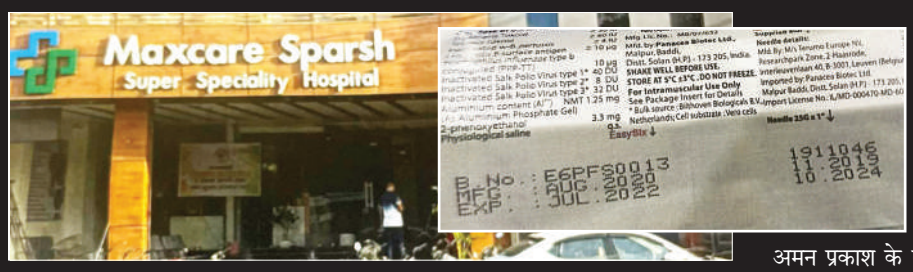

बच्चे के मां-बाप को हुई तो उनके होश उड़ गए। हालांकि जब इसकी शिकायत अस्पताल प्रशासन से की गई पहले तो उन्होंने पल्ला झाड़ने की कोशिश की पर जब बच्चे परिजनों ने दवा के कवर और टीकाकरण कार्ड में लगे रशीद को दिखाया तब उन्होंने अपनी गलती मानी। हालांकि बच्चे की तबियत पर इसका असर नही हुआ परंतु चार-पांच दिन माता-पिता बच्चे को लेकर मानसिक रूप से चिंतित रहे। ये हादसा राजाजी पुरम में रहने वाले अमन प्रकाश के साथ हुई। वह और उनकी पत्नी झांसी में रहते हैं। उन्होंने 2 जून को झांसी के मैक्सकेयर अपने 15 हफ्ते साल के बच्चे शिखा को इजी सिक्स नाम का टीका लगवाया था जो 14 हफ्ते में लगवाने वाला टीका होता है। इसको अस्पताल के बालरोग विषेषज्ञ अभिषेक जैन की देखरेख में लगाया गया। बच्चे के माता-पिता इस लापरवाही की शिकायत बड़े अधिकारियों से करना चाहते हैं । उनका कहना कि इस तरह की लापरवाही अस्पताल पहले भी कर चुका है पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया । अब वे चाहते हैं ऐसा किसी के साथ न हो इसलिए अस्पताल पर अनदेखी करने का मामला दर्जकर उसपर कठोर कार्रवाई की जाए।

मोदी सरकार के खिलाफ पटना में विपक्ष भरेगा हुंकार

» 23 जून को विपक्षी दलों की बैठक, जदयू-राजद करेंगे मेजबानी, ममता-राहुल भी आएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने के लिए बिहार के सीएम पटना में 23जून को सभी विपक्षी दलों के नेताओं एक जुट करेंगे। जदयू के अध्यक्ष ललन सिंह ने यह जानकारी दी।

भाजपा खिलाफ विपक्ष की एकजुटता दिखाने का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का प्रयास अब रंग लाने लगा है। 12 जून को प्रस्तावित बैठक कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी की दूरी के कारण टालनी पड़ी थी, लेकिन अब जनता दल यूनाईटेड और राष्ट्रीय जनता दल ने घोषणा की है कि विपक्षी दलों के तमाम प्रमुख नेता 23 जून को पटना में जुटेंगे।

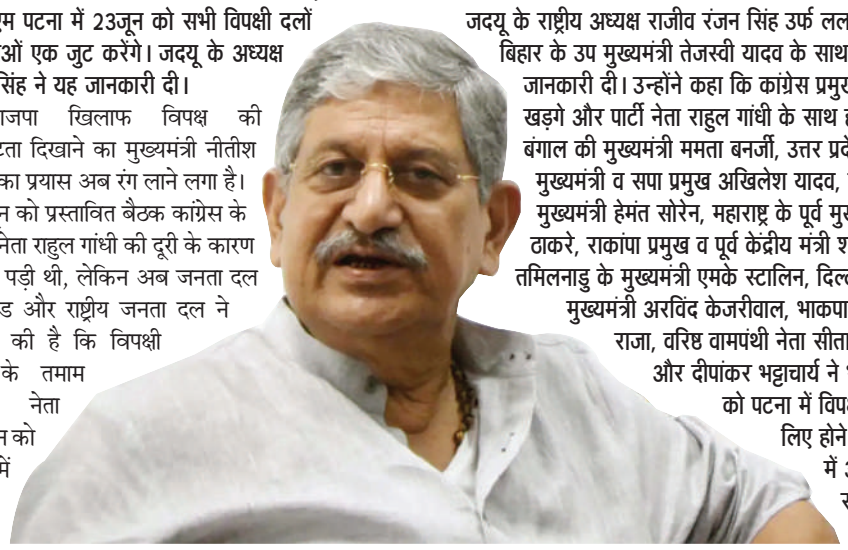

सभी बड़े नेता आएंगे : ललन सिंह

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ साझा जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी के साथ ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, राकांपा प्रमुख व पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, भाकपा महासचिव डी राजा, वरिष्ठ वामपंथी नेता सीताराम येचुरी और दीपांकर भट्टाचार्य ने भी 23 जून को पटना में विपक्षी एकता के लिए होने वाली बैठक में आने की स्वीकृति दी है।

पहले 12 जून को होनी थी बैठक

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों के कई नेताओं से मुलाकातों के बाद 12 जून को पटना में बैठक रखी थी। लेकिन, जब उन्हें यह पक्का हुआ कि राहुल गांधी समेत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी इस बैठक में नहीं आ रहे हैं तो आननफानन में इस बैठक को रद्द कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि विपक्षी दलों की बैठक में पार्टी अध्यक्षों को आना है और अगर कांग्रेस की ओर से ही इसकी अस्पष्टता रहेगी तो गलत संदेश जाएगा। उन्होंने कहा था कि जल्द ही कांग्रेस के साथ बात कर अगली तारीख बताई जाएगी।

कोल्हापुर में हिंसा के बाद इंटरनेट बंद, धारा 144 लागू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हुई हिंसा के बाद अब पुलिस एक्शन जारी है, जहां पर पुलिस ने कुल 36 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनमें से 2 नाबालिग हैं। हाल की हुई घटना को लेकर कोई अफवाह नहीं फैल पाए इसके लिए प्रशासन ने इलाके में इंटरनेट बैन कर दिया है और धारा 144 भी लागू कर दी है। इसके अलावा कोल्हापुर पुलिस ने सोशल मीडिया पर औरंगज़ेब का स्टेटस रखने के मामले में 2 एफआईआर दर्ज की थी। इन दोनों एफआईआर में कुल 5 नाबालिगों को गिरफ़्तार किया गया और उनको जुविनायल कोर्ट में पेश कर बालसुधार गृह भेज दिया गया।

» 36 लोग गिरफ्तार

पुलिस अधिकारी ने कहा, 19 जून तक इस मामले में निषेधा लागू कर दी गई है और हमने यहां पर पांच या उससे अधिक लोगों के इक्ट्ठा होने पर भी प्रतिंबध लगा दिया है। ज्ञात हो महाराष्ट्र के कोल्हापुर में मंगलवार (6 जून) को कुछ युवकों ने सोशल मीडिया पर औरंगजेब के समर्थन में पोस्ट किया। दूसरे दिन कुछ स्थानीय लोगों ने टीपू सुल्तान की तस्वीर के साथ कथित तौर पर आपत्तिजनक ऑडियो संदेश को सोशल मीडिया स्टेटस में लगाया था। इसके बाद आस-पास के इलाकों के राजनीतिक और सामाजिक संगठन बुधवार को प्रदर्शन करने के लिए उतर आए। इस प्रदर्शन के दौरान किसी ने भीड़ पर पथराव कर दिया, और इस पथराव के बाद स्थिति बिगड़ गई और इलाके में हिंसा फैल गई।

बिपोरजॉय चक्रवात ने मानसून को पीछे धकेला, अभी गर्मी और सताएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अरब सागर में आया इस साल का पहला चक्रवाती तूफान बिपोरजॉय तेजी से गंभीर हो गया है। इससे केरल में मॉनसून की धीमी शुरुआत होने का अनुमान है। साथ ही मॉनसून के आगे कमजोर रहने की भी संभावना है।

मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि केरल में दो दिन के भीतर मॉनसून शुरू होने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। चक्रवाती तूफान मॉनसून की तीव्रता को प्रभावित कर रहा है। केरल के ऊपर इसकी शुरुआत हल्की रहेगी।

गुजरात समेत देश के पश्चिमी भागों में आंधी और बारिश की संभावना है। वहीं बिहार, यूपी और झारखंड समेत देश उत्तर-पूर्वी भागों में अगले 5 दिनों में लू चलने की संभावना है। जहां अब तक मॉनसूनी बारिश शुरू हो जाती थी, वहां लोगों को गर्मी झेलनी पड़ेगी।

इस वर्ष नहीं बढ़ाई जाएगी रेपो दर : आरबीआई गवर्नर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मौद्रिक नीति समिति की दो दिनों की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि इस बार एमपीसी की बैठक में रेपो रेट को अपरिवर्तित रखने का फैसला लिया गया है। यह 6.5 प्रतिशत पर बना रहेगा। उन्होंने कहा कि एमपीसी के सभी सदस्यों ने ब्याज दरों को स्थिर रखने का समर्थन किया है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि निवेश में सुधार हुआ है और मानसून के भी सामान्य रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक महंगाई पर अर्जुन के आंख की तरह नजर टिकाए हुए है। आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी की बैठक के बाद कहा है कि बीते महीनों में आयात घटने से व्यापार घाटे में भी कमी आई है। उन्होंने ये भी कहा है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत हुआ है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है एफडीआई में भी सुधार हुआ है।

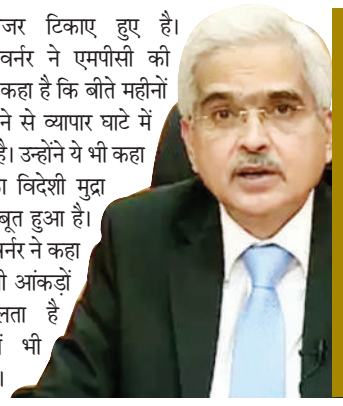

महंगाई दर 4 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान

आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि वित्त वर्ष 2023-24 में महंगाई दर 4 प्रतिशत से अधिक बनी रहेगी। वित्तीय वर्ष 24 में सीपीआई 5.2 से घटकर 5.1 प्रतिशत रह सकती है। वहीं FY 24 में 6.5% की विकास दर संभव है। इस दौरान तीसरी तिमाही में छह प्रतिशत विकास दर का अनुमान है। वहीं FY 24 की पहली तिमाही में रियल जीडीपी ग्रोथ आठ प्रतिशत रह सकती है। वहीं चौथी तिमाही में रियल जीडीपी ग्रोथ 5.7% रह सकती है।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को जमकर धोया

» वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल : पहले दिन 3/327 रन बनाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने भारतीय टीम की गेंदबाजी की जमकर धुनाई की। बल्लेबाज़ी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने दिन खत्म होने तक 327/3 रन बना लिए हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच लंदन के ओवल में खेला जा रहा है। पहले ही दिन ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली है।

पहले बल्लेबाज़ी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने दिन खत्म होने तक 3 विकेट पर 327 रन बोर्ड पर लगाए। इसमें अब तक बाएं हाथ के कंगारू बल्लेबाज ट्रेविस हेड सबसे ज़्यादा नाबाद 146 रन बना चुके हैं।

हेड और स्मिथ ने जमाए पैर

भारतीय टीम ने लंच के बाद दूसरे सेशन की पहली गेंद (24.1) पर मार्नस लाबुशने को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को तीसरे झटका दे दिया था। इसके बाद दिन खत्म होने तक कुल 85 ओवर फेंके गए और टीम इंडिया विपक्षी टीम का चौथा विकेट नहीं गिरा पाई। जब ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ क्रीज़ पर सेट हो रहे थे, तब रोहित शर्मा ने उनके खिलाफ अटैकिंग गेंदबाज़ी का इस्तेमाल नहीं किया और यही उन्हें भारी पड़ गया। दोनों ही बल्लेबाज़ों ने सेट होने के बाद अच्छी पारियां खेलीं। दिन के अंत में ट्रेविस हेड 146 और स्टीव स्मिथ 95 रनों के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 251 रनों की साझेदारी भी कर ली है।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी चुनी। उन्होंने कंडीशन को देखते हुए ये फैसला किया, लेकिन कुछ देर बाद रोहित शर्मा का फैसला उन पर उल्टा पड़ गया। भारतीय कप्तान ने बादल से घिरे आसमानों को देख गेंदबाज़ी चुनी थी, लेकिन कुछ देर बाद ही धूप खिल आई और बैटिंग कंडीशन में बड़ा बदलाव देखने को मिला। रोहित शर्मा के इस फैसले से कई क्रिकेट दिग्गज भी हैरान हो गए थे. टीम इंडिया ने अब तक 57 टेस्ट मैचों में गेंदबाज़ी करने का फैसला किया है, जिसमें उन्हें सिर्फ 9 जीत मिली है।

दिल्ली पुलिस अगले हफ्ते कोर्ट को सौंपेगी रिपोर्ट

» बृजभूषण-पहलवान विवाद
» खेलमंत्री ने कहा 15 जून तक मामले का हो जाएगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डब्ल्यूएफआई के चीफ बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों पर बड़ी कार्रवाई होने जा रही है। दिल्ली पुलिस का विशेष जांच दल यानी एसआईटी अगले हफ्ते तक कोर्ट को जांच रिपोर्ट सौंप सकता है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस की एसआईटी टीम डब्ल्यूएफआई चीफ के खिलाफ दो मामलों की जांच रिपोर्ट कोर्ट को सौंपेगी।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि

अब तक हुई जांच के दौरान एसआईटी टीम ने 180 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की है। इससे पहले कल खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने पहलवानों से मुलाकता की थी। उन्होंने खिलाड़ियों आश्वासन दिया था कि 15 जून तक पहलवानों की मांगों पर कार्रवाई की जाएगी। हालांकि खिलाड़ी अब भी कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण के खिलाफ झुकने को तैयार नहीं और गिरफ्तारी पर अड़े हुए हैं।

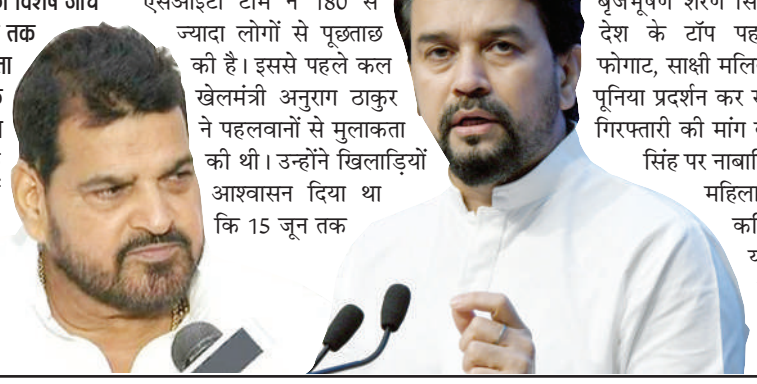

जानकारी के लिए बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ देश के टॉप पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया प्रदर्शन कर रहे हैं। लगातार गिरफ्तारी की मांग की जा रही है। सिंह पर नाबालिग समेत सात महिला पहलवानों से कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगे हैं।

मणिपुर में छिटपुट हिंसा के बाद शांति

» पुलिस का उग्रवादियों को पकड़ने का अभियान जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के अब भी हिंसा थमने का नाम नही ले रही। पश्चिम इंफाल जिले में भीड़ ने कही-कहीं हमले किए हैं। हालांकि पुलिस से तुरंत सख्ती करके स्थिती को नियंत्रण में ले लिया है। कुछ जगहों से कर्फ्यू में ढील दी गई। उग्रवादियों को पकड़ने का अभियान जारी है। गौरतलब हो एक दिन पहले एक एंबुलेंस को रास्ते में रोक उसमें आग लगा दी।

एंबुलेंस में में सवार 8 साल के बच्चे, उसकी मां और एक अन्य रिश्तेदार की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार शाम को इरोइसेंबा इलाके में हुई। उन्होंने कहा कि गोलीबारी की एक घटना के दौरान बच्चे के सिर में गोली लग गई थी। उसकी मां और एक रिश्तेदार उसे इंफाल के अस्पताल ले जा रहे थे। भीड़ के हमले में मारे गए तीनों लोगों की पहचान तोंसिंग हैंगिंग (8), उसकी मां मीना हैंगिंग (45) और रिश्तेदार लिदिया लोरेम्बम (37) के तौर पर हुई है। असम राइफल्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की पुष्टि की और बताया कि घटनास्थल और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

प्रधानमंत्री सुलह की अपील क्यों नहीं करते : कांग्रेस

कांग्रेस ने मणिपुर में हिंसा पर सवाल करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुप क्यों हैं। वह राज्य का दौरा कर समुदायों के बीच सुलह की अपील क्यों नहीं करते? प्रधानमंत्री सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल को मणिपुर भेजने की पहल क्यों नहीं कर रहे हैं? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा, 'ऐसा लगता है कि सात हफ्ते पहले मणिपुर में जो भयावह त्रासदी शुरू हुई थी वो खत्म नहीं हुई है। गृह मंत्री ने एक महीने की देरी से राज्य का दौरा किया और इस सहृदयता के लिए राष्ट्र को उनका आभारी होना चाहिए। प्रधानमंत्री अब भी चुप क्यों हैं?'

कार-ट्रैक्टर में भीषण भिड़ंत बाइक सवार चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जनपद के पलियाकलां क्षेत्र में बृहस्पतिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। निघासन मार्ग पर बोझवा के पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास कार और ट्रैक्टर की आमने सामने से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर दो हिस्सों में बंट गया। ट्रैक्टर का एक हिस्सा जहां रोड के किनारे उतर गया। वहीं दूसरा हिस्सा पीछे से आ रही बाइक से जा टकराया। हादसे में बाइक पर सवार महिला, बच्ची समेत चार की मौके पर ही मौत हो गई। चारों एक ही बाइक पर सवार थे।

जानकारी के मुताबिक जनपद सीतापुर के बिसवां निवासी जाबिर पुत्र अलीशेर (32) पत्नी-बच्ची के साथ अपनी ससुराल त्रिलोकपुर से घर जाने के लिए निकला था।

उसका साला चांद उनको बाइक पर बैठाकर पलिया तक छोड़ने जा रहा था। एक ही बाइक पर चारों लोग सवार थे। बोझवा के पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास हुए हादसे के बाद ट्रैक्टर का एक टुकड़ा बाइक से जा टकराया, जिससे बाइक पर सवार जाबिर, उसकी पत्नी खुशनुमा, बेटी जन्नत और साले चांद की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि घटनास्थल पर मंजर देख लोगों का कलेजा कांप गया।

सृष्टि को बचाने रोबोटिक टीम पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीहोर। बीते करीब 45 घंटे से बोरवेल में फंसी सृष्टि को बचाने के लिए अब रोबोटिक टीम को बुलाया गया है। रोबोटिक टीम सुबह करीब 9:30 बजे सीहोर के बड़ी मुंगावली पहुंचकर टीम ने रेस्क्यू शुरू कर दिया है। रोबोटिक एक्सपर्ट ने रोबोट को बोरवेल में डाला था, जिसके बाद अब उसके डेटा को स्कैन कर बच्ची की स्थिति का पता लगाया जा रहा है। बच्ची की स्थिति जानने के बाद वापस रोबोट को बोरवेल में डाला जाएगा और सृष्टि को निकाला जाएगा।

» बोरवेल में फंसी है मासूम

बता दें, सृष्टि के बचाने के लिए 40 घंटे से भी ज्यादा समय से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। सेना को भी बुलाया गया था। काफी प्रयासों के बाद एनडीआरएफ और सेना के

जवानों को सफलता नहीं मिली, जिसके बाद अब रोबोटिक टीम को बुलाया गया है। 35 फीट तक की खुदाई कर बच्ची को बचाने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन बीच में चट्टानें आ जाने के चलते खुदाई रोकना पड़ी। जिला पंचायत सीईओ आशीष तिवारी ने बताया कि 3 सदस्यों की टीम दिल्ली से रातभर ड्राइव कर सड़क मार्ग से सीहोर पहुंची है। इस टीम ने कुछ दिनों पहले जामनगर में ऐसे ही मामले में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था, जिसमें उन्हें सफलता मिली थी।

हुक के जरिए बच्ची को खींचने की कोशिश

जिला पंचायत सीईओ आशीष तिवारी ने बताया कि बच्ची के मूमेंट नहीं आ रहे हैं। खुदाई में नीचे मिले पत्थर बहुत ही हार्ड हैं। उन्हें तोड़ने के लिए पोकलेन मशीन के पंजे से बड़ी ड्रिल मशीन को बांधा हुआ है। उसी की मदद से पत्थर को तोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि रेस्क्यू में तेजी नहीं आ पा रही है। ऐसे में बच्ची को हुक के माध्यम से खींचने का भी प्रयास किया जा रहा है।

फोटो: 4पीएम

वार्ता राजधानी के वीवीआईपी गेस्ट हाउस में मीडियाकर्मियों से वार्ता करते केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले।

नगर निगम लखनऊ: अपने चहेतों के जरिये पैसा कमाता है अशोक सिंह

» सालों से चिपके हैं नगर निगम के भ्रष्ट बाबू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह का हनक का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता कि उसकी सरपरस्ती में और भी सैकड़ों राजस्व निरीक्षक, लिपिक हैं जो नगर निगम को चूना लगा रहे हैं। ये कर्मी भी अशोक सिंह की तरह सालो से एक पद पर नियमो के विपरीत जमे है। इनपर स्थाआंतरण नीति लागू नहीं लागू होती है।

अशोक सिंह के पास कार्मिक का विभाग का प्रभार है किसको कहा कैसे सेट करना ये कई वर्षो से यही तय करते है, सूत्र बताते है की कोई अधिकारी कभी कार्मिक का प्रभार इतने लंबे समय तक नहीं पाया अपने पसंद से जोनल भी यही बनाते थे मोटा पैसा चलता था। जबसे नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने नगर निगम चार्ज संभाला है तब ये सब प्रथाएं पर थोड़ा अंकुश लगा है। सबसे मुख्य वसूली करने वाला दिनेश कुमार है जो कार्यालय अधीक्षक है वह भी 15 से 20 सालों से जमा है। सूत्र बताते है कि किसी अधिकारी को अपने जाल से इसने काम नही करने दिया। कई अफसरों ने इसे हटाने की कोशिश की पर अशोक सिंह ने हटाने नही दिया। अशोक सिंह के करीब रहने वाले जोनो में बैठे जोनल अधिकारी सरकारी पैसों को खूब चपत लगा रहे है और बंदरबांट कर रहे हैं।

अशोक के चहेते बाबू

नवीन साहू, लिपिक, कर विभाग जोन -1 वरुण बहुगुणा, कंप्यूटर बाबू राहुल कनौजिया, फार्म कीपर पंकज अवस्थी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (प्रचार अधिकारी बना बैठा)।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।